Roll No. ..... **1151/1351** Total Printed Pages : 4

B.A. B.Ed./B.Sc. B.Ed.- 01 **GEN. HINDI**
(G -A)

B.A. B.Ed./B.Sc. B.Ed. (PART - II) EXAMINATION, 2023

GENERAL HINDI

TIME ALLOWED : THREE HOURS

Maximum Marks – 100

(1) किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नही दी जाएगी । अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों का उत्तर लिखें।

(2) किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गये विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर -पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए- (5x2=10)

(i) (क) काजी तुम कौन कतेब बखानी,
झंखत बकत रहहु निशि-बासर, मति एकौ नहीं जानी।
शक्ति अनुमाने सुन्नती करतु हो, मैं न बंदोंगाभाई,
जो खुदाय तेरी सुन्नति करतु है, आपुहि कटि क्यों न आई।
सुन्नति कराय तुरुक जो होना, औरत को क्या कहिये,
अर्ध शरीरी नारि बखानी, ताती हिन्दू रहिये।।

(ख) ऐसो सो उदार जग माहीं,
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहिं।
जो गति जो बिराग-जगत करि नहीं पावत मुनि ग्यानी,
सो गति देत गीध सबरी कहँ प्रभु न बहुर जिय जानी।
जो संपति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं,
सो संपदा विभीषण कहँ अति सकुच-सहित हरि दीन्हीं।
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो,
तौ भजु राम, काम सब पूरन करै कृपानिधि तेरो।।

(ग) हे वत्स, तुम्हें वनवास दिया मैंने ही,
अब उसका प्रत्याहार किया मैंने ही।"
"पर रघुकुल में जो वचन दिया जाता है,
लौटा कर वह कब कहाँ लिया जाता है?
क्यों व्यर्थ तुम्हारे प्राण खिन्न होते हैं,
वे प्रेम और कर्त्वय भिन्न होते हैं?
जाने दो, निर्णय करें भरत ही सारा-
मेरा अथवा है, कथन यथार्थ तुम्हारा।
मेरी-इनकी चिर पंच रहीं तुम माता,
हम दोनों के मध्यस्थ आज ये भ्राता।"

(घ) भारती, जय, विजय करे!
कनक-शस्य-कमलधरे!
लंका पदतल शतदल
गर्जितोर्मि सागर- जल,
धोता-शुचि चरण युगल
स्तव कर बहु-अर्थ-भेर।
तरू-तृण-वन-लता वसन,
अंचल में खचित सुमन
गंगा ज्योतिर्जल-कण
धवल धार हार गले।।

(ii) निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (5x2=10)

(क) श्रीकंठ-"इतना मैं जानता हूँ, आपके आर्शीवाद से ऐसा मूर्ख नहीं हूँ। आप स्वयं जानते हैं कि मेरे ही समझाने-बुझाने से, इसी गाँव में कई घर संभल गये, पर जिस स्त्री की मान प्रतिष्ठा का ईश्वर के दरबार में उत्तरदाता हूँ, उसके प्रति ऐसा घोर अन्याय और पशुवत् व्यवहार मुझे असह्य है। आप सच मानिये, मेरे लिए यही कुछ कम नहीं है कि लाल बिहारी को कुछ दंड नहीं देता।"

(ख) हमारी पौराणिक कथाओं के अनुसार शनि महाराज सूर्य के पुत्र हैं। भैंसा इनका वाहन है। पाश्चात्य ज्योतिष में शनि को सैटर्न कहते हैं। यूनानी आख्यानों के अनुसार सैटर्न जूपीटर के पिता हैं। रोमन लोग सैटर्न को कृषि का देवता मानते थे। हमारे देश में शनि महाराज तेल के देवता बन गये हैं।

(ग) राजस्थान का इतिहास शौर्य-गाथाओं से परिपूर्ण है। यहाँ का जीवन रोमांच और बलिदानों से भरा पड़ा है। उसी की अभिव्यक्ति यहाँ के साहित्य और विभिन्न कलाओं में दृष्टिगोचर होती है। राजस्थानी समाज में नित्यप्रति होने वाले संस्कारों के आयोजनों में भी इन्हीं भावनाओं को पोषण मिलता है।

(घ) 'लो, मैं समाजवाद ले आया।' समाजवाद परेशान है उधर जनता भी परेशान है। समाजवाद आने को तैयार खड़ा है, मगर समाजवादियों में आपस में धौल-धप्पा हो रहा है। समाजवाद एक तरफ उतरना चाहता है कि उस पर पत्थर पड़ने लगते हैं। 'खबरदार, उधर से मत जाना! एक समाजवादी उसका हाथ पकड़ता है, तो दूसरा हाथ पकड़कर खींचता है। तब बाकी समाजवादी छीना-झपटी करके हाथ छुड़ा देते हैं। लहू-लुहान समाजवाद टीले पर खड़ा है।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए:- (7.5x2=15)

(i) "सूरदास वात्सल्य का कोना-कोना झाँक आये हैं।" इस कथन पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।
(ii) रहीम के दोहो में जीवन के विविध का वैविध्य विद्यमान है। पठित दोहों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
(iii) 'पंत प्रकृति-सौंदर्य के चितेरे कवि हैं।' पठित कविताओं के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।
(iv) कवि रामधारी सिंह दिनकर पौरूष, ओज और क्रान्ति-चेतना के कवि हैं।" इसकी सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए:- (7.5x2=15)

(i) महादेवी वर्मा द्वारा लिखित 'प्रमाण' शीर्षक संस्मरण के मूल भाव को अपने शब्दों में लिखिए।
(ii) 'बाईस वर्ष बाद' शीर्षक रेखाचित्र में व्यक्त मार्मिक अनुभूतियों को स्पष्ट कीजिए।
(iii) सरदार पूर्णसिंह के निबंध 'मजदूरी और प्रेम' की समीक्षा कीजिए।
(iv) "भूमि का निर्माण देवों ने किया है" 'राष्ट्र का स्वरूप' निबन्ध से उद्धत कथन की पुष्टि कीजिए।

4. (क) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए। (8)

(अ) राजस्थान में जल संकट के बहुस्तरीय समाधान।
(ब) योगः स्वास्थ्य की कुंजी।
(स) 21वीं सदी में बदलता हुआ भारतीय समाज।

(ख) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर दीजिये। (4x2=8)

(अ) स्वयं को अजमेर निवासी अनिल मानते हुए, मतदाता सूची में अपना नाम जुडवाने हेतु निर्वाचन अधिकारी को आवेदन कीजिए।
(ब) आपके महाविद्यालया में कम्प्यूटर अनुदेशन की भर्ती हेतु विज्ञप्ति का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए।
(स) विद्युत विभाग, जयपुर की ओर से विद्युत कटौती के सम्बन्ध में जारी अधिसूचना का एक प्रारूप लिखिये।
(द) राजस्थान राज्य के समस्त महाविद्यालयों की अचल सम्पत्ति का पूर्ण विवरण एकत्र करने हुते शिक्षा सचिव की ओर से एक कार्यालय आदेश प्रसारित कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश का संक्षेपण कीजिये। (5)
(i) किसी देश की उन्नति या अवनति उस देश के साहित्य पर अवलम्बित है। चाहे तो वह देश को उन्नति की चरम सीमा पर पहुँचा दे और चाहे तो अवनति के गर्त में गिरा दे। कवि रवि की पहुँच से भी अधिक प्रकाश

करता है। वही निर्जीव जाति में प्राण-प्रतिष्ठा करता है और निराशापूर्ण हृदय में आशा का संचार करता है। वही राजनीति को प्रेरणा देता है तथा राजनीतिज्ञों का पथ-प्रदर्शन करता है। वही अतीत के गौरव-गीत गाता है और साथ ही भविष्य की स्वर्णिम कल्पना करता है। वही सोई हुई जाति को जगाता है ओर उत्साह का संचार करता है।

(ii) भारतीय नारी न्याय, बलिदान, साहस, शक्ति तथा सेवा की सजीव मूर्ति है। जीवन के सुख-दुःख मे छाया की भांति पुरूष का साथ देने के कारण वह अर्द्धांगिनी, घर की व्यवस्थापिका होने के कारण वह लक्ष्मी, श्लाघनीय गुणों के कारण वह देवी कही जाती है। स्वार्थ और भोग-लिप्सा को तिलांजलि देकर भारतीय नारी ने आत्म-बलिदान द्वारा समय-समय पर ऐसी ज्योति प्रज्वलित की है कि उसके पुनीत प्रकाश में पुरूष ने अपना मार्ग प्रशस्त किया है। उसी शक्ति के सामने यमराज को हारना पड़ा है। सती सावित्री, वीरांगना लक्ष्मीबाई, तपस्विनी उर्मिला की दिव्य झाँकियां प्रेरणा के स्त्रोत हैं और पुरूष को चेतना और जागरण का संदेश देती है। नारी का सम्मान करके ही पुरूष का जीवन-कुसुम सुवासित होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवता निवास करते हैं।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक सूक्ति का पल्लवन कीजिए- (4)

(i) असम्भव शब्द मूर्खों के शब्दकोश में पाया जाता है।
(ii) जाके पैर न फटे बिवाई वो क्या जाने पीर परायी।

(ग) किसी एक उपसर्ग से दो शब्द बनाइये। (5)

(अ) अव (ब) वि

(घ) किसी एक प्रत्यय के दो शब्द बनाइये। (5)

(अ) एरा (ब) आवट

6. (क) शुद्ध कीजिये। (5)

(अ) अंष्टवक्र (ब) उच्चश्रवा (स) प्रत्यार्पण (द) मध्यान्ह (य) मुहूर्त

(ख) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयुक्त कीजिए। (5)

(अ) त्रिशंकु बन जाना (ब) अंधे के हाथ बटेर लगना (स) चिकना घड़ा (द) चाँद पर थूकना

(ग) निम्नांकित पारिभाषिक शब्दों का अर्थ हिन्दी में लिखिये। (5)

(i) Black Market (ii) Above Cited
(iii) Dignitary (iv) Eligible
(v) Fund

(घ) (i) समास की परिभाषा देते हुए इसके भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (5)

(ii) क्रिया किसे कहते हैं? इसके मुख्य भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

*****